

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI OM MEHTA): Sir, I will convey his wishes.

#### REFERENCE TO YOUTH RALLY HELD IN DELHI

श्री लाल आडवाणी (दिल्ली) : श्रीमन्, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान और हमारे संसदीय कार्य मंत्री का ध्यान एक बड़ी गम्भीर समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। मैं इसको बहुत गम्भीर मानता हूँ क्योंकि मैं समझता हूँ कि एक प्रकार से लोकसंज्ञ की बुनियाद पर आघात हो रहा है। यह कोई छोटी मोटी घटना नहीं है। अभी थोड़ी देर पहले श्री राजनारायण जी ने यहाँ कांग्रेस यूथ रैली का जिक्र किया तो उधर से कुछ नाराजगी प्रकट की गई। अगर कोई कांग्रेस की यूथ रैली करे तो मुझको आपत्ति नहीं होगी। प्रधान मंत्री उसको संबोधित करने वाली हैं। इसमें किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। लेकिन आपत्ति इस बात की है कि एक विशुद्ध दलीय रैली के लिए, प्योरली पार्टी रैली के लिए सरकारी मशीनरी का बेशर्मी से उपयोग हो रहा है।

श्री कामेश्वर सिंह (बिहार) : कोई उपयोग सरकारी मशीनरी का नहीं हो रहा है। . .

श्री लाल आडवाणी : मैंने कोई बात आज तक इस सदन में नहीं कही जब तक कि मेरे पास कुछ आधार न हो और सोच विचार करके गम्भीरता से हर एक बात जवाबदारी के साथ मैं बोलता हूँ। यह सब कुछ होता था, दुरुपयोग होता था पहले भी लेकिन कभी कभी शर्म और लिहाज के कारण मौखिक रूप से कहा जाता था कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने अपना काम किया, एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपना काम किया। लेकिन आज मुझे देखकर अचम्भा हुआ, मेरे पास फोटोस्टेट कापीज हैं, ओरिजनल कापी भी है जो इस समय लोक सभा में गई हुई है, कि एजुकेशन डिपार्टमेंट की तरफ से एक सर्कुलर है जिसमें लिखा गया है . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Advani, this is not fair. Let me also go on record because what was shown to me was an original letter issued by some school, by some private school.

SHRI LAL K. ADVANI: I have copied this myself. I have shown the original to you.

SHRI KAMESHWAR SINGH : These are forged documents.

SHRI LAL K. ADVANI : It says: A youth rally will be held in Delhi on 9-8-1974. The

District Education Department likes the students to participate in it. The department...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Advani, let me make it very clear. I have not seen this document at all.

(Interruptions)

I know what I have seen, Mr. Advani. It was a letter by some school. Let me be very clear on this. When you take a special permission and show me a certain document. . .

SHRI LAL K. ADVANI: This particular document was shown.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : But, not this.

MR. LAL K. ADVANI: Which other document was shown to you? Sir, may I submit to you that when a person even otherwise says that this is the document, there is no problem. But, in this particular case I have shown to you all the documents. When Shri Swamy met you he had all these documents. You may not have gone into the details.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Advani, let me be very clear on this. I did not see any documents given by you. I saw only the documents given by Mr. Swamy.

MR. LAL K. ADVANI : I am not reading that. The only document that Swamy had was this one. I am reading it. It says : The Education Department likes the students to participate in it. And, it says further :

"The department will bear all types of expenses . . "

(Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Let me hear it.

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : हम त्रिविजेज कमेटी में जाने के लिए तैयार हैं।

श्री गुणानन्द ठाकुर (बिहार) : देश के जहाँ दस लाख लोग आए हैं प्रधान मन्त्री का संदेश सुनने के लिए और यह लोग उसको पोलिटिकल ढग से लेते हैं। . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Take your seat now. Now you sit down. Mr. Gunanand Thakur, you please sit down. Please take your seat now, Mr. Thakur. Yes, Mr. Advani you proceed with that.

SHRI LAL K. ADVANI: The District Education Department likes the students to

participate in it, and what is more, the Department will bear all types of expenses.

(Interruptions)

AN HON. MEMBER: This is a fraud.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Swamy is there.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Yes ..

SHRI LAL K. ADVANI: He has no other document.

(Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN : It would be wrong if you say that. Now, Mr. Swamy let me be very clear on this.

(Interruption)

Mr. Thakur, please take your seat. Mr. Swamy, you showed me a letter issued by a school. Is it not ?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Yes.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But this is not the same.

MR. LAL K. ADVANI: This is the one. There is no other letter.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : That is some AP School.

SHRI LAL K. ADVANI: The Arya Pratinidhi School. Sir, this is exactly that.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : They did not say...

SHRI RAJNARAIN: Point of order.

SHRI MAHAVIR TYAGI (Uttar Pradesh): On a point of order, Sir.

(At this stage Shri Lal K. Advani approached the Chair and showed a document to Mr. Deputy Chairman)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, it is a letter from the school.

श्री गुणानन्द ठाकुर : देश के जहाँ दस लाख लोग आये हैं प्रधान मन्त्री को सुनने के लिए और यह लोग उसको पोलिटिकल ढग से लेते हैं.

श्री लाल आडवाणी : उपसभापति जी ने स्वीकार किया है कि स्वामी जी ने चिट्ठी यही दिखायी थी । यह जो पत्र है प्रिंसिपल की ओर से लिखा गया है, लेकिन इसमें एजुकेशन डिपार्टमेंट का हवाला देकर कहा गया है. . .

(Interruption)

SHRI RABI RAY (Orissa): The cat is out of the bag.

AN HON. MEMBER: This is a conspiracy.

श्री राजनारायण : यह हल्ला कर रहे हैं । हल्ला करने से ही इन को दबाना होगा । एक हजार यात्री स्टेशन पर गिरफ्तार हुए. . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Rajnarain, you cannot raise other matters. (Interruption by Shri Gunanand Thakur)

Mr. Thakur, if you continue like this I will have to name you because I do not care where the Member belongs and if he disturbs the proceedings of the House, whoever it be, I shall take recourse to the procedure. Yes, Mr. Advani, you complete in two minutes.

SHRI LAL K. ADVANI: I will be very brief. It was only because doubts were raised about the authenticity of the document.

जब अध्यक्ष जी ने इसे स्वीकार कर लिया है तो कोई और प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं रहती यह बात सही है कि यहाँ जितने लोग भाग लेने आये हैं हजारों की संख्या में, वह बिना टिकट आये हैं (Interruption) एक रेलवे अधिकारी ने बताया है कि यह लोग बिना टिकट भेजे गये हैं । यह दुरुपयोग का एक नमूना है ।

श्री देवेन्द्रनाथ द्विवेदी (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है ।

SHRI KAMESWAR SINGH: On a point of order. .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the point of order ?

SHRI KAMESHWAR SINGH: Mr. Deputy Chairman, earlier Mr. Advani informed the House that he is reading out from a genuine document issued by a Government authority, i.e., one of the authorities in the Department of Education in Delhi. Later on when you intervened very kindly he started saying that this is from a letter in which only a mention has been made. He has misinformed the House. It is a breach of privilege of the House. It is a conspiracy against you, Mr. Deputy Chairman.

SHRI MAHAVIR TYAGI: If this is proved, the privilege will be there.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Let him complete it. I will give you one more minute.

श्री लाल आडवाणी : पंजाब का शिक्षा विभाग, पंजाब का परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और

[श्री लाल ग्राडवाणी]

हरियाणा, ये सब चारों तरफ के जितने भी प्रदेश हैं उनके परिवहन और शिक्षा विभागों ने मिलकर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया है और लोगों को यहां पर रेलवे से बिना टिकट के लाया गया है। यही नहीं इनफार्मेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री ने इस यूथ रेली के अवसर पर महंगे कागज पर यह फोल्डर छापा है। देखिए इसमें डी० ए०वी० पी० लिखा है . . . (Interruptions) मैं कहता हूँ कि आप इसको छाप सकते हैं लेकिन सरकार छापे, और कागज के इस अभाव के समय में ऐसा करना कहाँ तक उचित है? इस बारे में अखबार में समाचार छापा है . . .

(Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Are you sure it is by the Information Ministry or by somebody else ?

SHRI LAL K. ADVANI : The press report says that one lakh copies have been published in English.

श्री गुणानन्द ठाकुर: श्रीमन् . .

(Interruption)

श्री राजनारायण : उपसभापति जी, आप श्री ठाकुर को बाहर भेज दीजिए . . (Interruptions) हमें तो आपने बाहर कर दिया था।

श्री उपसभापति : जो भी इस तरह का बर्ताव करेगा उसको बाहर भेज दिया जाएगा। इस लिए आप लोग बैठ जाइये।

श्री राजनारायण : क्या इनके लिए भी आप यही करेंगे ? . .

(Interruption)

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Whether it is Mr. Rajnarain or Mr. Gunanand Thakur, I shall make no exception.

श्री राजनारायण : हम आपसे यही आशा करेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : He has already spoken for five minutes. I had given him five minutes. Now, you will have to wind up.

SHRI LAL K. ADVANI : Now, I will wind up.

मेरा निवेदन यह है कि लोकतंत्र का एक मूल आधार है कि सरकारी पार्टी और सरकार, इन दोनों में फर्क रहता है लेकिन जब यह विभाजन रेखा खत्म हो जाती है तो तानाशाही आती है। यह यूथ रेली जिस प्रकार से आयोजित की गई है, इस देश में तानाशाही जिस तीव्र गति से बढ़ रही है, वह

इसका प्रमाण है। मैं चाहूंगा कि सरकार इन तीन चार चीजों का जवाब दे। यह कैसे हुआ है, किस मिनिस्ट्री ने करवाया है, चाहे वह एजुकेशन मिनिस्ट्री हो, इनफार्मेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री हो या रेलवे मिनिस्ट्री हो, सब को इसका जवाब देना चाहिए। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The House stands adjourned till 3 P.M.

The House then adjourned for lunch at thirty-four minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at two minutes past three of the clock, the Vice-Chairman (Shri Yogendra Sharma) in the Chair.

RESOLUTION RE OBSERVING 1975 AS INTERNATIONAL WOMEN'S YEAR—contd.

श्री रणबोर सिंह (हरियाणा) : उपसभाध्यक्ष जी, मैं उस रोज इस प्रस्ताव पर बोलते हुए कह रहा था कि हमारे देश के अंदर बहनों का हमेशा ही उच्च स्थान रहा है चाहे बहुत पुराने जमाने की बात हो या आज का जमाना हो। हाँ, इस बात से भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि हमारे देश के अन्दर अभी कई-कई जगहों पर बहनों पर कुछ अत्याचार भी होते हैं क्योंकि समाज में कुछ कुरीतियाँ भी हैं। उन कुरीतियों को हटाने के लिए इस प्रस्ताव का पारित करना मैं समझता हूँ अच्छा ही है और उसके ऊपर कार्यवाही करनी चाहिए उस रोज कुछ दोस्तों ने बहनों का नाम लेते हुए राजनीति की बात कहनी चाही, और यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हम अपने राजनैतिक खेल में बहनों की इज्जत का भी ख्याल नहीं करते और कई दफा ऐसी कहानियाँ गड़ते हैं जिनका न पैर है न सिर है न दुम है और देश के सामने उनको खड़ा किया जाता है और मैं बता रहा था कि उसी तरह से राजनारायण जी ने यह कोशिश की कि हमारे प्रदेश के बारे में कुछ मनगढ़ंत कहानी को बताने का प्रयत्न किया था। उपसभाध्यक्ष जी, हमारे सदन के माननीय सदस्य भट्टाचार्य जी भी भिवानी के उस गांव के अन्दर गए थे। न तो उन्होंने जो प्रधान मन्त्री जी को चिट्ठी लिखी उसमें कोई मुख्य मंत्री का नाम या उनके पुत्र का नाम, न ही कोई जिक्र किया, न ही उन्होंने जो प्रेम में बयान दिया उसमें कोई बात कही। तो कुछ इस देश के राजनैतिक तत्व हैं जो राजनीति में गड़बड़ करने की कोशिश करते हैं। उसको जरा, दो तीन मिनट में ही आपकी इजाजत से निवेदन करता हूँ।

हमारे प्रदेश में एक लड़का है जिसका नाम भंवरसिंह है। उसने 4-2-74 को एक झाड़वर को पीटा और झाड़वर